भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5721

दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्तन कैंसर की प्रारंभिक जांच

† 5721. श्री एस. जगतरक्षकनः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भिन्न-भिन्न प्रसार दरों (ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति 1,00,000 पर 5 और शहरी क्षेत्रों में प्रति 1,00,000 पर 30) को ध्यान में रखते हुए विगत पांच वर्षों के दौरान देश में विशेषकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कराई गई स्तन कैंसर की जांच का ब्यौरा क्या है;

(ख) उम्र के साथ स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों के दृष्टिगत युवा महिलाओं में शीघ्र जांच को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या विशिष्ट कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या सरकार ने स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने और इसके निदान के लिए नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने/का समर्थन करने के लिए किसी अनुसंधान संस्थान/अंतर्राष्ट्रीय संगठन के साथ सहयोग किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार द्वारा ग्रामीण और अल्पसेवित क्षेत्रों में महिलाओं को स्तन कैंसर के लक्षणों, जोखिम कारकों और स्व-परीक्षण पद्धतियों के बारे में शिक्षित करने पर विशेष रूप से केन्द्रित कोई जागरूकता अभियान/सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रमुख गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुंह का कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने और नियंत्रित करने के लिए वर्ष 2010 में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उचित स्तर की स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों के लिए रेफरल पर ध्यान केंद्रित करना था। इस कार्यक्रम के तहत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 372 जिला डे केयर सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 6410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत देश में स्तन कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। रोकथाम और जांच सेवाएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान उन महिलाओं जिनकी स्तन कैंसर के लिए जांच की गई और उपचार किया गया, का विवरण इस प्रकार है:-

वित्तीय वर्ष	स्तन कैंसर	
	की गई कुल जांच	किए गए कुल उपचार
2020-2021	4,514,426	966
2021-2022	11,027,987	1,525
2022-2023	36,109,083	3,174
2023-2024	27,181,874	5,368
2024-2025	36,005,194	7,629

(ग): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को उनके प्रयासों को पूरक बनाने के लिए एनपी-एनसीडी के तहत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एम्स दिल्ली, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और एम्स, ऋषिकेश को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया है। ये केंद्र स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधानों के अनुसंधान और विकास में लगे हुए हैं, जिसमें कैंसर पर शोध भी शामिल है।

(घ): एनपी-एनसीडी के अंतर्गत जिला स्तर पर 3-5 लाख रुपये और एनएचएम के अंतर्गत राज्य स्तर पर 50-70 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, ताकि एनसीडी के लिए जागरूकता सृजन कार्यकलापों को राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार ग्रामीण और अल्पसेवित क्षेत्रों सहित चलाया जा सके।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एनपी-एनसीडी के तहत दिनांक 20 फरवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और अन्य स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में स्तन कैंसर सहित एनसीडी के लिए 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की जांच के लिए गैर-संचारी रोग जांच अभियान चलाया ताकि आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को संगठित करते हुए जागरूकता और सामुदायिक पहुंच बढ़ाई जा सके।

*****